IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, November 2022
Impact Factor: 6.252

पन्ना राष्ट्रीय उद्यान : एक अध्ययन

प्रभा परमार[1] and डॉ. विद्युत प्रकाश मिश्रा[2]
शोधार्थी (वाणिज्य), शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)[1]
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (वाणिज्य), राजभानु सिंह स्मारक महाविद्यालय, मनिकवार, जिला रीवा (म.प्र.)[2]

सारांश

भारत के हृदय स्थल में विराजमान मध्यप्रदेश के तकरीबन मध्य में खजुराहो से 57 कमी. की दूरी पर जिला पन्ना में पन्ना राष्ट्रीय उद्यान विद्यमान है। यह भू–भाग विश्व में हीरों के लिए सर्वाधिक विख्यात है। यहां पर भारत की अनेक सबसे उत्तम वन्य जीव प्रजातियां मिलती है तथा यह क्षेत्र राष्ट्र का एक सबसे अनोखा एवं अद्वितीय टाइगर रिजर्व है। पन्ना राष्ट्रीय उद्यान में वन्य बिल्लियों के अतिरिक्त एंटीलाप, हिरण और बाघ भी पाया जाता है। भारत का सुविख्यात पर्यटन आकर्षण केन्द्र, खजुराहो के पास होने की वजह से पन्ना उद्यान में एक व्यापक पर्यटन आकर्षण निर्मित की पर्याप्त संभावना समाहित है। पन्ना राष्ट्रीय उद्यान राष्ट्र का द्वितीय 'सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान' की संज्ञा प्रदान की जाती है। पन्ना उद्यान भारत का बाइसवां राष्ट्रीय तथा मध्यप्रदेश की 5वां राष्ट्रीय उद्यान है। इस राष्ट्रीय उद्यान को 'विश्व वन्य जीव कोष' से भी वित्तीय मदद प्रदान किया जा रहा है।

संदर्भ ग्रन्थ –

[1]. पन्ना राष्ट्रीय उद्यान (हिन्दी) इण्डिया वाटर पोर्टल, 2014
[2]. सक्सेना, एस.एम., पर्यावरण भूगोल, वर्ष 2018–19
[3]. पन्ना टाईगर रिजर्व फोल्डर, पन्ना, मध्यप्रदेश, 2004
[4]. शर्मा, के.के. – भारत में पर्यटन, क्लासिक पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1991
[5]. निर्मल, रमेश – मध्यप्रदेश एक टूरिस्ट नजर, महिश्मति प्रकाशन, उज्जैन, 1983
[6]. चौपड़ा, सुधीता – भारत के पर्यटन एवं विकास, आशीष पब्लिशिंग, नई दिल्ली, 1991
[7]. संकेतक दर्शिका, पन्ना टाईगर रिजर्व, पन्ना, मध्यप्रदेश, 2010